सत्यमेव जयते

MARALAT FIIKAREI LARIAKBUNG

मारान भाषा प्रवेशिका

MARAM PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें

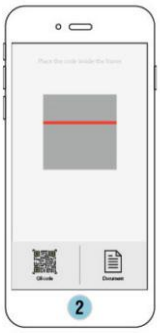

क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें

स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें

लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें

उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें

अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी

पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें

क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें

कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें

क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

MARALAT FIIKAREI LARIAKBUNG

माराम भाषा प्रवेशिका

MARAM PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

MARALAT FIIKAREI LARIAKBUNG

माराम भाषा प्रवेशिका

MARAM PRIMER

A basal reader of Maram alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Amalesh Gope

ISBN: 978-81-971148-0-9

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Saravanan A S
Cover Photo: Joanna J

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/ घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction / [illegible]

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

[illegible]

[illegible]

जुलाई 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Maram Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Member Co-Coordinator

Salam Brojen Singh, RP (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati

Resource Persons

Joanna J, Research Scholar, Department of Linguistics and Language Technology, Tezpur University
Koila Victoria, Research Scholar, Department of Linguistics, Assam University

Reviewers

NG. Joseph, Maram NT translator & Member, Maram Literature Society
Alphonse Hingba, General Secretary, Maram Literature Society
T. Moses, Folklorist and independent Scholar, Lairouching village, Senapati, Manipur

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

ꯍꯦꯗꯦꯃ ꯑꯦꯗꯤꯇꯔꯒꯤ ꯋꯥꯍꯩ

ꯂꯥꯀꯂꯥꯟ ꯂꯤꯌꯨ ꯑꯥꯂꯨꯃꯥꯀꯌ ꯁꯣꯂꯤꯀꯤ, 2020 ꯑꯍꯀꯨꯗ ꯂꯥꯀꯂꯥꯟ ꯃꯗꯤꯃꯨꯂꯍ ꯕꯗꯥꯍꯅꯦꯗꯒ, 2022 ꯂ ꯍꯀꯦꯒꯤ ꯅꯇꯤ ꯑꯨꯍꯕꯒꯤ ꯂꯤꯁꯦꯌ ꯕꯦꯁꯕꯒꯤ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯨ ꯍꯍꯦꯂꯣꯌꯕ ꯇꯦꯏꯕꯕꯤ ꯂꯍꯕꯍꯨꯒꯤ ꯑꯍꯕꯤ ꯍꯨꯍꯒꯤ ꯂꯣꯌꯕ ꯍꯇꯩ-ꯍꯀꯤꯌ ꯄꯦꯒꯁꯤ-ꯄꯍꯕꯤꯕꯕ ꯑꯇꯥꯌꯕ ꯍꯤꯌꯔꯥꯗ ꯖꯍꯂꯤ꯫ ꯑꯥꯦꯗ ꯑꯍꯒꯤ ꯂꯣꯅ ꯁꯦꯕ ꯑꯍꯕꯤ ꯇꯦꯏꯕꯣꯒꯁꯒꯤ ꯂꯩꯗꯣꯅ ꯅꯦꯁꯄꯌꯇꯌꯂꯕ ꯑꯍꯕꯤ ꯂꯣꯅ ꯄꯣꯂꯤꯌꯂꯕ, ꯄꯍꯀꯤꯌꯂꯕ ꯑꯍꯕꯤ ꯅꯤꯗꯂꯕ ꯂꯩꯄꯂ ꯃꯍꯨꯂꯤꯃꯥꯌ ꯄꯩꯕ ꯑꯥꯍꯇꯌꯂꯕꯒꯤꯕꯍꯒꯄ ꯁꯗꯦꯏꯍꯗ ꯑꯀꯤ ꯑꯄꯌꯂꯂ ꯀꯥꯍꯕꯂꯤ꯫ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯒꯤ ꯁꯦꯕ, ꯇꯦꯏꯕꯒꯤ ꯇꯩꯖꯣꯏ-ꯀꯤꯗꯖꯣꯏꯕ ꯇꯥꯌꯒꯌꯇꯌꯂꯕ, ꯍꯔꯥꯒꯃꯤ ꯁꯦꯗꯦ ꯀꯨꯕꯤꯗꯕ ꯅꯦꯇꯩꯁꯗꯥꯗ ꯑꯂꯤꯕꯒꯤ ꯑꯨꯍ ꯕꯦꯁꯕꯒꯤ ꯑꯄꯥꯌꯕ ꯏꯀꯣ ꯂꯌꯄꯗꯒ ꯗꯦꯏꯍ ꯇꯦꯁꯂꯤ꯫ ꯑꯣꯂꯦꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯒ ꯁꯨꯌꯂ ꯏꯀꯣ ꯂꯌꯄꯗꯒ ꯗꯦꯏꯍ ꯑꯀꯤ ꯁꯦꯕ ꯑꯍꯕꯤ ꯀꯒꯍꯤꯌꯂꯕ ꯔꯦꯏ꯫ ꯒꯦꯗꯌ ꯑꯀꯤ ꯂꯣꯅꯔꯦꯍ ꯑꯥꯦꯗꯕꯒꯤ ꯍꯀꯒ ꯑꯀꯤ ꯄꯣꯕ ꯑꯥꯍꯇꯅꯂꯤ꯫ ꯂꯣꯅꯄꯒ ꯂꯌꯄꯂ ꯂꯦꯏꯗꯤꯒ ꯑꯀꯤꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒ-ꯄꯣꯅꯂꯦꯏ, ꯑꯅꯕꯦꯕꯥꯌ, ꯁꯦꯕ ꯑꯍꯕꯤ ꯏꯕꯒꯤ ꯃꯗꯥꯒꯄꯤꯀ ꯁꯤꯗꯤ꯫

ꯄꯣꯌꯖꯣꯒ-ꯄꯣꯅꯇꯦꯏ ꯄꯍꯕꯤꯕ: ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯂꯦꯏꯗꯤꯗꯄ ꯔꯦꯁꯗꯤꯕ ꯂꯦꯏꯔꯥꯒ ꯑꯕꯨ ꯔꯥꯗꯂꯒ ꯁꯣꯌꯀꯒ ꯑꯕꯨꯒꯤ ꯍꯍꯤꯗ ꯇꯦꯏꯒꯂꯤ꯫ ꯁꯣꯌꯀꯒ ꯑꯕꯨꯒꯤ ꯍꯍꯤꯗꯨ ꯃꯗꯤꯍꯕ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒꯂ ꯇꯩꯕꯒꯥ ꯇꯦꯏꯂ ꯑꯣꯂꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯇꯣꯒꯂꯤ꯫ ꯏꯕꯍ ꯑꯣꯏꯂ, ‘Anamei’ ꯂꯦꯏꯔꯥꯒ ꯔꯥꯗꯂꯕ ꯍꯄꯨꯗꯕ ꯍꯀꯤ ‘A’ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒꯂ ꯇꯩꯏ ꯇꯦꯏꯕ ꯄꯣꯒꯂꯤ꯫

ꯍꯔꯥꯒ ꯄꯍꯕꯤꯕ: ꯑꯣꯂꯂ ꯍꯇꯩꯗꯣꯏꯀꯤꯗꯕ ‘A’ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯍꯀꯒ ꯄꯦꯒꯃꯂꯤ꯫ ꯍꯀꯤꯒꯤ ꯍꯖꯣꯕ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯔꯦꯁꯕ ꯅꯦꯇꯩ ꯄꯗ ꯏꯗꯒ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯍꯀꯒ ꯄꯣꯕꯣꯒꯂꯕ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯇꯦꯏꯒꯂꯤ꯫ ꯑꯁꯤꯕ ꯅꯦꯇꯩꯀꯤꯗꯨꯕꯒꯤ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯍꯀꯒ ꯄꯦꯒꯁꯒ ꯂꯣꯏꯂꯂ ꯍꯄꯦꯄꯦꯂ ꯇꯌꯂ-ꯇꯌꯂ ꯁꯦꯗꯖꯣꯒꯄꯨꯂ ꯇꯩꯂꯕ ꯇꯣꯏꯂꯒꯂꯤ꯫

ꯁꯦꯕ ꯄꯍꯕꯤꯕ: ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯑꯁꯤꯕ ꯂꯦꯏꯔꯥꯒ ꯔꯥꯗꯂꯒ ꯍꯄꯣꯏ ꯍꯀꯦꯒꯤ ꯑꯣꯏꯕ ꯍꯑꯣꯗꯕ ꯅꯦꯇꯩ ꯇꯦꯏꯕ ꯄꯍꯒꯂꯤ꯫ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ‘Anamei’ ꯇꯦꯏꯕ ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯀꯤ ꯏꯌꯀꯦꯂ ꯖꯤꯌꯕꯨꯂ ꯑꯣꯏꯕꯒꯤ ꯔꯥꯌꯂꯣꯍꯕ ꯏꯌꯀꯦꯂ ꯂꯍꯕꯨꯂ ꯁꯦꯒꯂꯤ꯫ ‘A’ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯔꯦꯁꯕ ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯄꯣꯀꯨ ꯁꯦꯕꯨꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯍꯀꯒ ꯄꯣꯕꯒ ꯂꯣꯏꯂꯂ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒ ꯇꯍꯂ ꯇꯦꯏꯕꯨ ꯄꯍꯒꯂꯤ꯫ ꯑꯣꯂꯂ ‘A’ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯅꯦꯇꯩꯒꯤ ꯃꯗꯤꯍꯕ ꯀꯦꯒꯄ, ꯇꯦꯏꯕꯕꯤ ꯑꯇꯩꯕꯕ, ꯍꯔꯦꯏꯕ ꯂꯌꯄꯗꯒ ꯍꯍꯩꯕ ꯕꯣꯕꯒꯥ ꯇꯦꯏꯕꯨ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯄꯦꯒꯁꯤꯒꯂꯤ꯫

ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯑꯅꯕꯦꯕꯥꯌ, ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯍꯕꯤ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒ ꯄꯦꯒꯂꯕꯒꯤꯕꯍꯒꯄ, ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯄꯣꯕ ꯅꯦꯇꯩꯀꯤꯗ ꯂꯦꯏꯗꯤꯒꯀꯤꯕ ꯀꯤꯂꯤꯌꯂꯗꯤ꯫ ꯂꯦꯏꯗꯤꯗꯄ ꯔꯦꯁꯗꯤꯕ ꯂꯦꯏꯔꯥꯒ ꯔꯥꯗꯕꯒ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯅꯦꯇꯩꯀꯤꯗ ꯑꯀꯤ ꯄꯣꯕ ꯑꯍꯒꯂꯤ꯫ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯍꯍꯦꯂꯣꯌꯂ ꯅꯦꯇꯩꯀꯤꯗ ꯑꯀꯤ ꯄꯍꯀꯤꯌꯕꯕ ꯇꯩꯂꯤꯗꯕ ꯁꯣꯒꯃꯂꯤ꯫ ꯑꯣꯂꯂ ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯕꯨ ꯗꯖꯣꯒꯄꯨꯂ ꯍꯕꯨꯕ ꯔꯦꯁꯗꯤꯕ ꯍꯔꯥꯒꯀꯤꯗꯨ ꯄꯣꯄꯗꯂ ꯑꯍꯕꯤ ꯁꯨꯌꯂ ꯁꯦꯕ ꯄꯍꯕꯤꯒꯂꯤ꯫ ꯑꯥꯦꯗ ꯑꯍꯂ ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯍ ꯁꯦꯕ ꯍꯄꯍꯕ ꯑꯄ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂꯨ ꯍꯄꯨꯗ ꯗꯌꯕꯨꯂ ꯅꯦꯇꯩ ꯑꯕꯨ ꯇꯌꯂꯤꯌꯂ ꯇꯦꯏꯒꯂꯤ꯫ ꯍꯀꯤꯕꯨ ‘ꯃꯂꯥꯒꯄꯤꯕ ꯀꯤꯕꯤꯗ’ ꯇꯦꯏꯂ ꯃꯩꯗ꯫

ꯗꯕ ꯄꯍꯕꯤꯕ: ꯑꯇꯦꯌꯕꯕ ꯑꯣꯂꯦꯀꯤꯗꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯨ ‘Anamei’ ꯅꯦꯇꯩꯕ ꯔꯦꯁꯗꯤꯕ ‘A’ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯗꯕ ꯄꯍꯕꯤꯒꯂꯤ꯫ ꯃꯂꯍꯂꯑꯣꯗꯀꯣꯍꯕꯒ ꯔꯥꯌꯂꯣꯍꯕ ꯃꯍꯕꯩꯂ ꯍꯔꯥꯒ ꯑꯀꯤ ꯗꯒꯕꯒꯥ ꯇꯦꯏꯕꯨ ꯁꯌꯄꯨꯂ ꯄꯦꯒꯃꯂꯤ꯫ ꯍꯀꯤꯕꯨ‘ꯀꯁꯣꯀꯄꯤꯗ ꯀꯦꯗꯄꯤꯗ’ ꯇꯦꯏꯂ ꯃꯩꯗ꯫

ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯂ ꯄꯣꯌꯖꯣꯒ ꯏꯍꯂ ꯑꯍꯕꯤ ꯅꯦꯇꯩ ꯄꯣꯂꯤꯌꯕ ꯑꯥꯍꯂꯕ, ꯁꯥꯂ ꯏꯕꯤꯗꯕ ꯁꯤꯀꯤꯕ ꯀꯦꯗꯍ ꯑꯕꯨ ꯑꯣꯂꯂ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯒ ꯁꯨꯌꯂ ꯁꯦꯍꯤꯌ-ꯄꯣꯍꯤꯌꯂꯒꯂꯤ꯫ ꯀꯃꯇ ꯂꯦꯏꯕꯀꯥꯀꯤꯕ ꯂꯩꯀꯤꯕ ꯑꯥꯦꯗꯒꯤ ꯅꯦꯀꯤ ꯍꯅꯦꯀꯤꯗ ꯑꯥꯦꯗꯀꯤꯗꯕ ꯑꯥꯦꯗꯕꯨꯒꯤ ꯍꯍꯦꯂꯣꯌꯕ ꯄꯣꯍꯤꯌꯂꯒꯂꯤ꯫ ꯂꯤꯗꯀꯤꯗꯒꯕꯕꯤ, ꯀꯩꯥꯗ-ꯅꯦꯀꯤꯀꯤꯗ ꯑꯥꯦꯗꯕꯨꯒꯤ ꯍꯍꯦ ꯂꯣꯌꯕ ꯂꯤꯒꯕꯕꯂꯤ ꯑꯍꯕꯤ ꯄꯦꯒꯁꯤ-ꯄꯍꯕꯤꯒꯕꯕꯂꯤ꯫

Akangka pyi kabam ring tei zusa giak rali lo :

Mading ring :

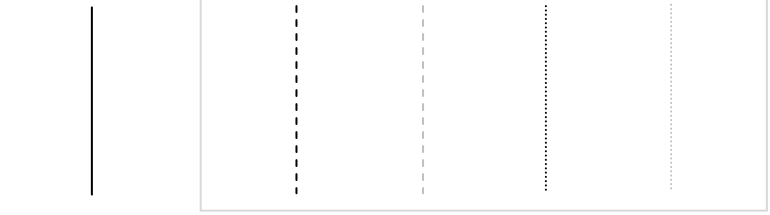

Mazyi ring :

Tampi ring 1 :

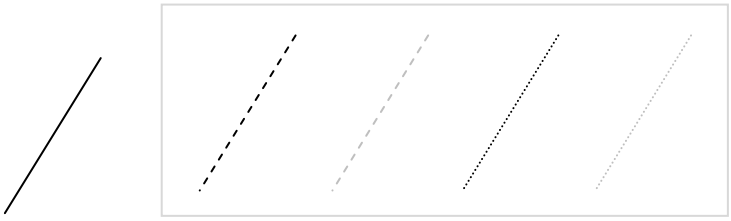

Tampi ring 2 :

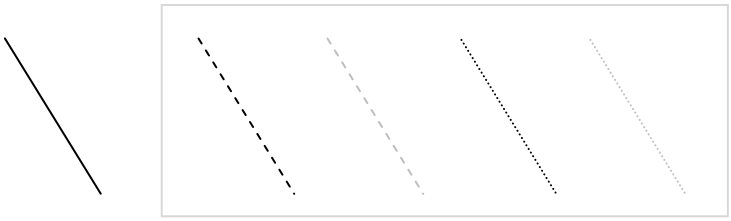

Kokpi ring 1 :

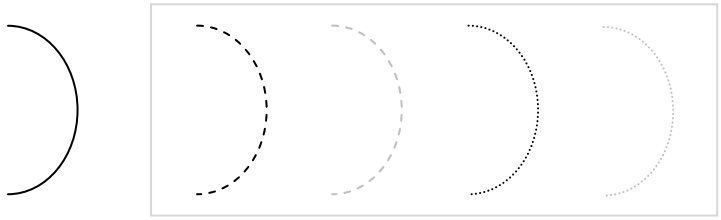

Kokpi ring 2 :

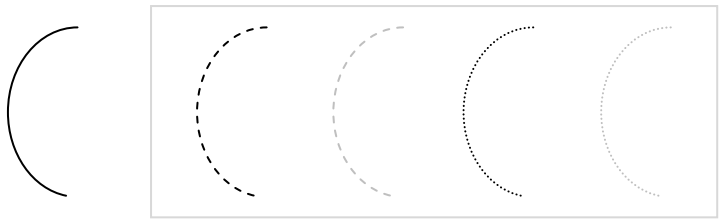

Mati katu : Pyi kabam nikii kadakiimpa pen(cil) ziimsa ryitangpo katu madiikapyimei na rali pyi tangle.

ALAT AGIAK

(Alphabet)

A	B	CH	D	E
F	G	H	I	II
K	L	M	N	NG
O	P	R	S	T
U	V	W	WI	YI
		Z		

AGIAK N'LI KAPAT KOI

(Vowel Letters)

A	E	I	O
U	II	YI	WI

AGIAK HANGNA RYI N'JA KOI

(Consonant Letters)

B	CH	D	G	H	F	V
K	L	M	N	NG	P	
R	S	T	W	Z		

Mati katu : Maralat agiak ai princhyilat go masam makle katu ai mangei sulo.

A
a

Anamei

[illegible]

Anamei pwifii nii katam swilo,
Katam kaswimei sadoi bile,
Chiilung lung matang tangle,
Anamei pwifii nii katam swilo.

Api	Atak	Aka
[illegible]	[illegible]	[illegible]

A A A

B b

Bwina

[illegible]

Afii nii alu talo artiti,
Bwina pa alu talo artiti,
Tingchoi tingkii artiti,
Apwi nii alu siimlo hina hi.

Bakna

[illegible]

Sabwi

[illegible]

Sabat

[illegible]

B B B

CH ch

Chyina

Chyina nii dung lei hou hou,
Chokchana nii n’ra lei ngao ngao,
Gouna nii n’ra lei krok krok,
Rwigang nii kung lei taktagiigii …

Chiiti

Kaching

Chokchana

Ch Ch Ch

D
d

Dwi

ꯏꯁꯤꯡ

O-Kangmei-o patlo,
Dwikung kito adwi lii tule,
Dwikung kito adwi n’goi tule,
O-kangmei-o patlo.

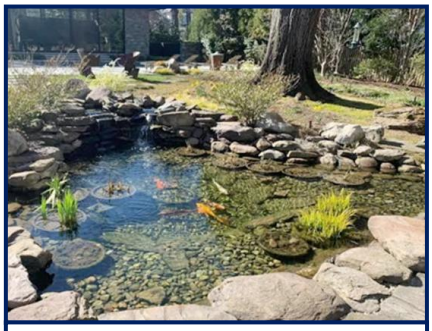

Dwikung

ꯄꯨꯈ꯭ꯔꯤ

Kamadiak

ꯕꯁꯣꯛ

Kaditti

ꯇꯣꯔꯤꯛ

D D D

E
e

Ket

[illegible]

O chokpa O chokpa nang kadachii lei, Inii roi tatlei, kadalam? Saroulam. Kadazangpa?
Za go kachet kito soilei,
Chii saram lesa.

E	Kachet	Ge
[illegible]	[illegible]	[illegible]

E E E

F
f

Fii

Afii ai tapo?
Afii ai kalung m’pung ma chingdile.
Afii ai nyima teimahamle.
Afii nii nyigo lungsyile.
Fii nii katam zeitangle.

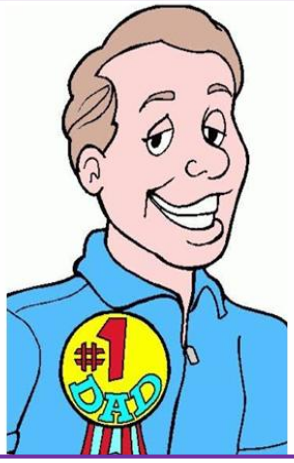

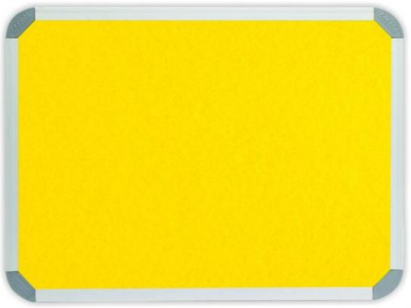

Fii-na	Kafii	Kafiilang

F F F

G g

Gii

Tingchoi Tingkii gii kariilo,
Sating kata gii kariilo,
Pwido, fiido, anamei hangdo,
Tingchoi tingkii gii kariilo.

Gouna

Kagung

Ageiti

G G G

H h

Hiipa

[illegible]

O-kangmei-o,
Ai ki patlo.
Azang tei to,
Hiipa kiak tule.

Hiinii

[illegible]

Pyihung

[illegible]

Chiihokti

[illegible]

I
i

Aping

[illegible]

Tinghiim kamyi zing
zing,
Aping n'ra zyi tring tring.
Rasii tulo,
Hello Hello.

I	Michii	Rangriili
[illegible]	[illegible]	[illegible]

II
ii

Kasiiti

Kasiiti rot kata zyitak,
Kalung paklatlo,
Takam do takam ailo,
Ami chiisii matiti m'pok keitule,
Kasiiti rot kata zyitak.

Chiilatti

Kasii

Arii

II II II

K
k

Kazung

Kazung garyinii satinggamto zunglei arwina kiimpa.
Malyi garyinii dwizei kito hoilei akana kiimpa.
Sazyi garyido sazyito zunglei tingkei kiimpa.

Koksou

Biskuti

Amiak

K K K

L l

Leimiak

Tulo tulo,
Leimiak pat takle,
Apwi nii atak langbam takle,
Atakatamei alu manghiim takle,
Tulo tulo,
Leimiak pat takle.

Liiti

Maliiti

Malyi

L L L

M m

Myina

[illegible]

I mahou le,
I nii hale,
sararwina nei I ai sanale,
kamazung punggung tang
karam zangpa I zungleile.

Mahou	Koimalei	Kouhiim
[illegible]	[illegible]	[illegible]

M M M

N n	Niikang [illegible]

Amiak pa zu lei,
Akoi pa shii lei,
Niikang pa manam lei,
Malyi pa masei lei,
Tiigyi pa kachii
kamazung tilei.

Nakungna	Sanii	Sana
[illegible]	[illegible]	[illegible]

N	N	N	

NG
ng

Zunggiiti

[illegible]

Patlo patlo zunggiiti rekeitule,
Zunggiiti mwi-mwi-to bam takle,
Maching niido arwina niido zunggiiti rekei-keito bam takle.
Patlo patlo zunggiiti rekeitule.

Mangati

[illegible]

Saipang

[illegible]

Maching

[illegible]

NG NG NG

O
o

Kokchyipa

Tingboi boi zyi takle,
Koktwi n'ra zyi takle,
Kokchyipa pok zyi takle,
Kangmei-o mang
kokchyipa fiitule.

Toktrwi

Tak-kok

To

O O O

P
p

Pachot

[illegible]

Tingchoi gungkii agii
kariilo, adwi n'goi mateilo,
anat keilo,
Pachot niilo, takou pung
sa katulo, katam kaswi
anamei hang.

Paswi	Leipakti	Apiak
[illegible]	[illegible]	[illegible]

P P P

R r

Riiti

Rati ai katam katam leile,
kadido kachingdo, kakiimdo kahingdo,
Kagangdo, kafiilangdo, kamadiakdo, kazingdo,
Rati ai katam katam leile.

Rakche	Karang	Razyi

R R R

S s

Sakii

O Sakii-o,
Lang lo lang lo,
Lang ting-tang-pang lo,
Tingzyi u-zu ngou syile,
Rangbungnga zu
ngoubile.

Sagak	Tingtasang	Salou

S S S

T t

Takam

[illegible]

Tuktek tuktek hiipa nii
takiiti kabam lei,
Pokpok pokpok teipwi nii
matiti m'pok lei,
Koktwi twi sa koktwi nii
n'ralei.

Takkiiti	Matiti	Matiit
[illegible]	[illegible]	[illegible]

T T T

U
u

Asung

Sating ryizyi asung poilo,
Kazang patsu, katam swilo,
Sating ryizyi asung poilo.

Uma

Rangbung

U

U U U

V
v

Kavii

Kavii ai tangle,
Kavii ai kadido kachingdo leile.
Kamdiakdo kafiilangdo kavii hamle.
Razyido, karangdo likalak ga le kaviipiinii.

Mvii

Kavii

M'viiti

V V V

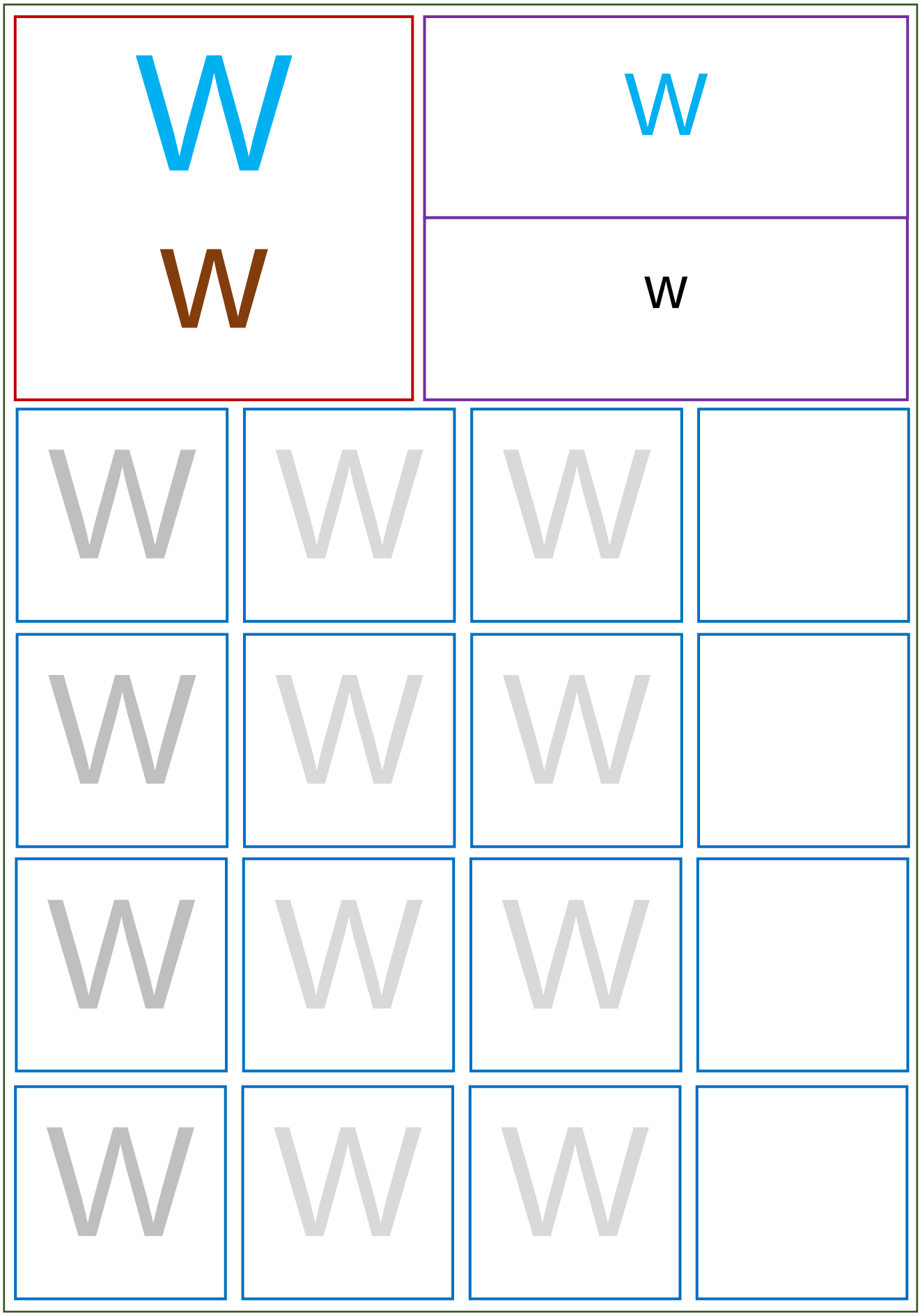

W w	w w

W	W	W	
W	W	W	
W	W	W	
W	W	W	

WI
wi

Kwina

[illegible]

Kwina kiimpa sarat bi tangle,
Zanglyi roklyi zungtat sa
Hiipa tangtang roibang sa
Kwidwi kakiim rachet tangle.

Apwi	Kwidwi	Amwi
[illegible]	[illegible]	[illegible]

WI WI WI

YI
yi

Byinati

[illegible]

Apyi Kachyi lakok pi,
Lakok pi lakok pi (2X)
Apyi Kachyi lakok pi,
Bangpanii chiipyile.

Pyitam

[illegible]

Kachyi

[illegible]

Apyi

[illegible]

YI YI YI

Z

z

Zana

Zungchakti mati zyitak,
Sazungna kaleinii rwibang
mara zyitak,
Zanado atei swilei
zungchakti masei lesa.

Zungchakti

Sazungna

Azyi

Z Z Z

KAFII :		
1	Hangnina	
2	Hangna	
3	Hangtiim	
4	Madei	
5	Mangii	
6	Sarok	
7	Sana	
8	Sasat	
9	Sokchyi	
10	Kiarii	

11	Kiariisakankii	
12	Kiariisanakii	
13	Kiariisatiimkii	
14	Kiariisamadei N’kii	
15	Kiariisamangii N’kii	
16	Kiariisasarok N’kii	
17	Kiariisasana N’kii	
18	Kiariisasasat N’kii	
19	Kiariisasokchyi N’kii	
20	Makei	

AKANG KAFII KALAI TAI RYI LO :				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

MEETEI AGIAK

(ꯃꯤꯇꯩ ꯃꯌꯦꯛ)

ꯀ	ꯁ	ꯂ
ꯃ	ꯄ	ꯅ
ꯆ	ꯇ	ꯈ
ꯉ	ꯊ	ꯋ
ꯌ	ꯍ	ꯎ
ꯏ	ꯐ	ꯑ
ꯒ	ꯓ	ꯔ
ꯕ	ꯖ	ꯗ
ꯘ	ꯙ	ꯚ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	ARABIC/ARBI	89	GUJARATI	98	LAHAULI	107	MUNDA	116	SANTALI (JHARKHAND)
81	BALTI	90	HINDI	99	LAHNDA	108	NICOBARESE	117	SINDHI
82	BENGALI	91	KANNADA	100	LAI (PAWI)	109	ODIA	118	TELUGU
83	BHILI/BHILODI	92	KASHMIRI	101	MAITHILI	110	PAITE	119	THADOU
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)	93	KHASI	102	MALAYALAM	111	PARJI	120	URDU
85	CHAKHESANG	94	KHOND/KONDH	103	MALTO	112	PHOM	121	VAIPHEI
86	CHOKRI	95	KOKBOROK (TRIPURI)	104	MARATHI	113	PUNJABI	122	ZELIANG
87	DOGRI	96	KONKANI	105	MARING	114	SANGTAM	123	ZEME (ZEMI)
88	GANGTE	97	KORWA	106	MONPA	115	SANSKRIT	124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in